हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 18 अक्टूबर 2026

14 धान की एमएसपी खरीद और डीएपी किल्लत पर भड़के किसान



14 बीएड कॉलेज में 'एलुम्नाई मीट' का आयोजन



खबर संक्षेप

तीन युवक 6.44 ग्राम हेरोइन सहित काबू

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने गश्त के दौरान थेहड़ मोहल्ला क्षेत्र से तीन युवकों को हजारों रुपये की 6 ग्राम 44 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी ने बताया कि सीआईए सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त व चैकिंग के दौरान थेहड़ मोहल्ला सिरसा की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सामने से तीन युवक पैदल आते दिखाई दिए। जैसे ही उसकी नजर पुलिस टीम पर पड़ी तो वह अचानक वापस मुडक़र वहां से निकलने का प्रयास करने लगे। शक के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त युवकों को काबू कर तलाशी ली तो उनके कब्जे से 6 ग्राम 44 मिलीग्राम हेरोइन सहित तीनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

बाइक सवार 5.42 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

ऐलनाबाद। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गश्त के दौरान नानूआना रोड़ रानियां क्षेत्र से बाइक सवार युवक को हजारों रुपये की 5 ग्राम 41 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम के प्रभारी ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने गश्त के दौरान नानूआना रोड़ रानियां क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से बाइक सवार युवक आता दिखाई दिया जो पुलिस की गाड़ी को देखकर वहां से फरार होने का प्रयास करने लगा। शक के आधार पर पुलिस ने उसका पीछा किया।

शिविर में 52 यूनिट रक्त एकत्रित

चौपटा। सामाजिक संस्था निफा द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दड़बा कलां में रक्तदान शिविर आयोजित कर स्व. डॉ. धर्मपाल पंवार की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया, कैंसर पीड़ित व तजरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना रहा। रक्तदान शिविर का शुभारंभ डॉ. सुरेखा पीएचसी इंचार्ज दड़बा कलां और निफा महासचिव हरियाणा दलबीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

शिविर में 125 मरीजों की जांची आंखें

सिरसा। श्री कृष्णा मानव कल्याण समिति की ओर से आईक्यू हॉस्पिटल सिरसा के सहयोग से एक निःशुल्क आंखों की जांच का मेगा कैंप आयोजित किया गया। संस्था के प्रधान राजेंद्र बजाज एडवोकेट ने बताया कि इस निशुल्क मैडिकल कैंप में आए हुए 125 मरीजों की आईक्यू हॉस्पिटल के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा आधुनिक मशीनों से जांच की गई। सभी मरीजों को मुफ्त दवाएं दी गई व उनकी मुफ्त शुगर जांच भी की गई। संस्था की ओर से सभी डॉक्टरों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

फतेहाबाद में 9300 तो भट्टू -आदमपुर में 9800 रुपये का भाव

नरमे के भाव में उछाल, 10 हजार के करीब पहुंचा दाम

पिछले सीजन के अधिकतम भाव से 2375 रुपये ऊपर पहुंचा नरमा

सुरेन्द्र असीजा ⏭फतेहाबाद

नरमे के भाव में तेजी का सिलसिला जारी है। शनिवार को फतेहाबाद मंडी में नरमे का भाव 9300 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया, जबकि भट्टू और आदमपुर मंडियों में इसके दाम 9800 रुपये प्रति क्विंटल तक जा पहुंचे। सीजन की शुरुआत में 8625 रुपये प्रति क्विंटल से शुरू हुआ भाव अब कुछ ही दिनों में 675 रुपये चढ़ चुका है। तेजी का यही रुख रहा तो नरमा जल्द ही 10 हजार रुपये प्रति क्विंटल का आंकड़ा पार कर सकता है। भाव में उछाल से कपास उत्पादक किसानों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। बता दें कि नरमे का यह ऑल टाइम हाई रेट माना जा रहा है। इस बार नरमे की नई फसल मंडियों में पहुंचनी शुरू हुई तो पहली आवक में ही 8625 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिला था। इसके बाद बाजार में लगातार तेजी देखने को मिली। अब फतेहाबाद में भाव 9300 रुपये तक पहुंचने और भट्टू व आदमपुर में 9800 रुपये तक बिकने से मंडियों के बीच कीमत का अंतर भी चर्चा में है। खास बात यह है कि अभी सीजन की शुरुआती आवक है और आगे फसल की आवक बढऩे पर बाजार का रुख महत्वपूर्ण रहेगा। पिछले सीजन में फतेहाबाद मंडी में नरमे का भाव करीब 5600 से 6925 रुपये प्रति क्विंटल तक रहा था। अब 9300 रुपये तक पहुंचे भाव ने पिछले सीजन के अधिकतम स्तर को 2375 रुपये प्रति क्विंटल पीछे छोड़ दिया है।



फतेहाबाद। मंडी में नरमा लेकर पहुंचा किसान। फोटो: हरिभूमि

एमएसपी से काफी ऊपर पहुंचा बाजार भाव

केंद्र सरकार ने खरीफ विपणन सीजन 2026-27 के लिए कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य मीडियम स्टेपल के लिए 8267 रुपये और लॉन्ग स्टेपल के लिए 8667 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। फतेहाबाद में 9300 रुपये का भाव मीडियम स्टेपल एमएसपी से 1033 रुपये और लॉन्ग स्टेपल एमएसपी से 633 रुपये अधिक है। भट्टू और आदमपुर में 9800 रुपये तक पहुंचा भाव दोनों श्रेणियों के एमएसपी से काफी ऊपर है। हालांकि वास्तविक बाजार भाव कपास की गुणवत्ता और किस्म के अनुसार तय होता है। बता दें केन्द्र सरकार की ओर से सीसीआई नरमे की खरीद करती है। इस बार अभी तक सीसीआई मंडियों में नहीं आई। दरअसल सीसीआई तब यहां खरीद करती है जब नरमा एमएसपी से कम बिके।

आदमपुर में ज्यादा भाव, व्यापारी वहीं बेच रहे नरमा

फतेहाबाद के मुकाबले आदमपुर मंडी में नरमे के बेहतर भाव मिलने से आसपास के कारोबारियों की गतिविधियां भी बढ़ी हैं। भट्टू और फतेहाबाद क्षेत्र के कुछ व्यापारी खरीदा हुआ नरमा आदमपुर ले जाकर बेच रहे हैं। 17 अक्टूबर को आदमपुर और भट्टू में 9800 रुपये तक का भाव मिलने से फतेहाबाद के 9300 रुपये के मुकाबले 500 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर सामने आया है। हालांकि अलग-अलग गुणवत्ता और नमी के कारण वास्तविक खरीद दर में अंतर हो सकता है। परिवहन खर्च के बाद ही दूसरी मंडी में बिक्री का वास्तविक लाभ तय होगा।

बेहतर कमाई की उम्मीद

फिलहाल नरमे के भाव में तेजी ने किसानों को बेहतर कमाई की उम्मीद दी है। लेकिन आने वाले दिनों में खेतों से फसल की आवक बढऩे के बाद ही बाजार की दिशा अधिक स्पष्ट होगी। अब किसानों और कारोबारियों की नजर इस बात पर है कि नरमा 10 हजार रुपये प्रति क्विंटल का स्तर कब पार करता है और बढ़ती आवक के बीच ऊंचे भाव कितने समय तक टिके रहते हैं।

बारिश के बाद नमी का हवाला देकर धान खरीद से कतरा रहे शेलर मालिक

- कई किसान 3-4 दिन से मंडी में डटे, 17 प्रतिशत से ज्यादा नमी बताकर लौटाए जा रहे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

वीरवार को हुई बारिश के बाद फतेहाबाद जिले की मंडियों में धान खरीद का संकट गहराने लगा है। धूप निकलने के बावजूद किसानों को धान बेचने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। किसानों का आरोप है कि खरीद एजेंसियों के परचेजर धान में 17 प्रतिशत से अधिक नमी बताकर खरीद करने से आनाकानी कर रहे हैं। वहीं, कुछ शेलर मालिकों के खरीद से हाथ खींचने के कारण भी व्यवस्था प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। किसानों ने आरोप लगाया कि शेलर मालिकों और खरीद एजेंसियों के परचेजरों के बीच कथित मिलीभगत के चलते उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है। हालात यह हैं कि कई किसान तीन से चार दिन से मंडियों में डेरा डाले हुए हैं और फसल बिकने का इंतजार कर रहे हैं। अहलीसदर गांव के किसान दलबीर ने बताया कि वह बुधवार रात धान लेकर नई अनाज मंडी में पहुंचा था, लेकिन शनिवार तक उसकी फसल नहीं बिकी। उसे मंडी में ही इंतजार करना पड़ रहा है। किसान कृष्ण ने बताया कि वह दो दिन से मंडी में बैठा है। खरीद एजेंसी के परचेजर धान में नमी अधिक होने की बात कहकर उसे रुकने के लिए कह रहे हैं। किसानों का कहना है कि बारिश के बाद अब धूप निकल रही है, इसके बावजूद नमी का हवाला देकर खरीद टालने से उनकी परेशानी बढ़ रही है।



फतेहाबाद। अनाज मण्डी में पड़ा धान। फोटो: हरिभूमि

खरीदे गए धान का 43 प्रतिशत अब भी उठान के इंतजार में

जिले की 16 अक्टूबर की खरीद रिपोर्ट भी मंडियों में बढ़ते दबाव की तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक कुल 1,47,422 मीट्रिक टन धान की आवक हो चुकी है। सरकारी खरीद एजेंसियों ने इसमें से 82,564 मीट्रिक टन धान खरीदा है, जबकि कुल उठान 46,763 मीट्रिक टन रहा। इस तरह खरीदे गए धान में से 35,801 मीट्रिक टन अभी उठान के इंतजार में है। यानी खरीदे गए धान का करीब 43.4 प्रतिशत मंडियों से बाहर नहीं निकला है। कुल आवक में से उठान घटाने पर 1,00,659 मीट्रिक टन धान मंडियों से बाहर उठाया जाना बाकी है। इसमें खरीदा जा चुका धान और वह फसल भी शामिल है जिसकी खरीद अभी दर्ज नहीं हुई है। इसलिए इस पूरे आंकड़े को केवल खरीदे गए धान का बकाया उठान नहीं माना जा सकता।

खरीद और उठान की सुस्त रफ्तार से बढ़ा दबाव

मंडियों में किसानों की परेशानी केवल खरीद तक सीमित नहीं है। खरीद के बाद धान का समय पर उठान नहीं होने से भी जगह घिर रही है। आवक लगातार जारी रहने के बीच यदि खरीदा गया धान मंडियों से बाहर नहीं निकला तो नई फसल उतारने के लिए जगह की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे में खरीद एजेंसियों के सामने खरीद में तेजी लाने के साथ उठान व्यवस्था को भी सुचारू रखने की चुनौती है। किसानों का कहना है कि बारिश के बाद फसल की नमी को लेकर जांच की जाए, लेकिन खरीद प्रक्रिया को अनिश्चित समय तक न रोका जाए। उनका आरोप है कि धूप निकलने के बावजूद नमी अधिक बताकर खरीद टालने से उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मंडियों में खड़ी हैं और समय व खर्च दोनों बढ़ रहे हैं।

किसानों को इंतजार से राहत दिलाने की जरूरत

धान खरीद सीजन के बीच किसानों की मांग है कि खरीद एजेंसियां नमी की जांच पारदर्शी तरीके से करें और निर्धारित मानकों के अनुरूप फसल खरीदें। जिन किसानों की फसल मानकों पर खरी उतरती है, उनकी खरीद में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, खरीदे गए धान का उठान तेज किया जाए, ताकि मंडियों में जगह खाली हो और नई आवक प्रभावित न हो। फिलहाल मंडियों में पहुंच रही फसल, खरीद में देरी और उठान के लिए लंबित धान के बीच किसानों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

एक ही रात में उड़ाए थे 5 मोबाइल, आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

थाना शहर रतिया पुलिस ने एक ही रात में पांच मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में आरोपी हरदीप सिंह उर्फ टीडी निवासी वार्ड नंबर 3, रतिया को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के अनुसार, कलर कॉलोनी निवासी महिला ने शिकायत दी थी कि 17 सितंबर की रात उसके और पति के मोबाइल फोन घर से गायब हो गए। जांच में पड़ोस के दो अन्य घरों से भी तीन मोबाइल चोरी होने की बात सामने आई। पुलिस ने केस दर्ज कर तकनीकी व अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले की जांच जारी है।



मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक।

डेंगू को लेकर नियमित फॉगिंग की मांग

भूना। शहर में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप और डेंगू के खतरे को लेकर मानव वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रमुख समाजसेवी उमाशंकर सिंगला ने सरकार और प्रशासन से मच्छर मारने के लिए नियमित फॉगिंग कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनता की खून-पसीने की कमाई से मिलने वाले टैक्स से खरीदी गई फॉगिंग मशीनों का लाभ भी आम जनता को मिलना चाहिए। उमाशंकर सिंगला ने कहा कि शहर में मच्छरों से लोग परेशान हैं और डेंगू जैसी बीमारी का खतरा लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही।

जिले में बदला मौसम, सुबह-शाम बढ़ी ठंडक

- पहली बार इस सीजन में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री तक पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पिछले दिनों हुई बारिश के बाद फतेहाबाद जिले में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। गर्मी से राहत के बीच अब सुबह और शाम ठंडी हवाओं का असर महसूस होने लगा है। अक्टूबर में पहली बार इस सीजन में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट से मौसम सुहावना होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, आंशिक बादल छाए रहने और हवाओं में हल्की ठंडक बने रहने की संभावना है। पिछले दो दिनों से यहां अलसुबह हल्की धुंध व ओंस भी देखी जा रही है। फसलों पर हलकी ओंस पड़ रही है। मौसम में बदलाव के बीच किसानों के लिए बारिश अहम मानी जा रही है। रबी सीजन की प्रमुख फसल सरसों की बिजाई का समय होने के कारण खेतों में नमी बढ़ने से किसानों को फायदा मिल सकता है।



फतेहाबाद। सुबह के समय सुहावना हुआ मौसम। फोटो: हरिभूमि

22 तक मौसम खुश्क

हरियाणा में अगले पांच दिन मौसम आमतौर पर खुश्क रहने की संभावना है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 22 तक हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्वी से बदलकर उत्तर-पश्चिमी होने की संभावना है। विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ की ओर से 17 अक्टूबर को जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि सुबह और शाम के समय हल्की ठंड महसूस होगी। वहीं, रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना है।

नशा तस्कर की 38 लाख की संपत्ति अटैच

- नशे का धंधा करके करोड़ों कमाने वालों पर पुलिस का शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

नशे का धंधा करके करोड़ों की संपत्ति खड़ी करने वालों पर अब सिरसा पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में डिंग थाना क्षेत्र के गांव शेरपुरा निवासी सोहनलाल पुत्र रामजीलाल की करीब साढ़े 38 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति अटैच करने के आदेश जारी हुए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी ने यह संपत्ति नशा तस्करी से अर्जित की थी। इस कार्रवाई से नशे के कारोबार में जुटे लोगों को साफ संदेश दिया गया है कि नशे की काली कमाई से बनाई गई संपत्ति पर भी कानून का शिकंजा कस सकता है। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस नशा तस्करी में संलिप्त लोगों की अवैध संपत्तियों का ब्यौरा जुटा रही है। नशे की कमाई से संपत्ति बनाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। युवाओं की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का मकसद नशे के कारोबार पर लगाम लगाना और युवाओं को नशे के जहर से बचाना है।



एसपी दीपक सहारण।

राजस्व विभाग को भेजा था संपत्ति का ब्यौरा

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि डिंग थाना पुलिस ने आरोपी की संपत्ति का पूरा ब्यौरा जुटाकर सक्षम प्राधिकारी एवं राजस्व विभाग दिल्ली को भेजा था। इसके बाद मादक पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 68एफ(2) के तहत आरोपी और उसके परिवार के सदस्यों के नाम दर्ज संपत्तियों को अटैच करने के आदेश जारी किए गए हैं। अटैच की गई संपत्ति में 15 मरले भूमि दो कार व दो बाइक शामिल है। संबंधित विभागों को नोटिस भेज दिए गए हैं। अब आरोपी इन संपत्तियों को बेच नहीं सकेगा।

2006 में चूरापोस्त के साथ पकड़ा आरोपी

एसपी ने बताया कि सोहनलाल के खिलाफ वर्ष 2006 में 41 किलोग्राम चूरापोस्त बरामद होने का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में अदालत ने आरोपी को चार साल की सजा सुनाई थी और 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था इसके अलावा भी आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ की कई अन्य मामले भी दर्ज होने पाए गए हैं।

8800 नशीली गोलियों सहित तस्कर काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

सीआईए रतिया पुलिस ने करीब 5 लाख 50 हजार रुपये की अनुमानित बाजार कीमत वाली 8800 नशीली गोलियों की बड़ी खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीएसपी रतिया कुलवंत सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान इस सनसनीखेज खुलासे की जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए रतिया में तैनात सहायक उपनिरीक्षक राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गांव रतनगढ़ बस अड्डे के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश के जिला बरेली के रहने वाले शाहिद बाबू सैफी, जो वर्तमान में दिल्ली के उत्तम नगर में रह रहा है, नशीली गोलियों की तस्करी का अवैध धंधा करता है। सूचना थी कि वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर भारी मात्रा में नशीली गोलियां लेकर ढाणी बबनपुर से बादलगढ़ की तरफ आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत बादलगढ़ से ढाणी बबनपुर जाने वाली सडक़ पर स्थित भाखड़ा नहर पुल के पास नाकाबंदी कर दी।



रतिया। मामले बारे जानकारी देते डीएसपी कुलवंत सिंह। फोटो: हरिभूमि

मुकदमा दर्ज

नायब तहसीलदार भूना कृष्ण कुमार की मौजूदगी और स्वतंत्र गवाह के समक्ष जब आरोपी के पास मौजूद काले रंग के बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से दो अलग-अलग पॉलिथीन लिफाफे बरामद हुए। सफेद पारदर्शी पॉलिथीन से 400 पत्तों में ट्रामाडोल की 4000 गोलियां तथा हरे रंग के पॉलिथीन से 320 पत्तों में अल्प्राजोलम की 4800 गोलियां बरामद हुई। इन 8800 नशीली गोलियों की कुल अनुमानित बाजार कीमत लगभग 5 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने नशीली गोलियों और तस्करी में प्रयुक्त एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ थाना सदर रतिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घर से टोंटियां चुराने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

एबीवीटी स्टाफ ने सेक्टर-20 हुडा स्थित एक मकान में चोरी की वारदात के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सूरज निवासी चतरगढ़ पट्टी, सिरसा के रूप में हुई है। एबीवीटी स्टाफ प्रभारी के अनुसार सेक्टर-20 हुडा निवासी सुरेश ने सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 9 अक्तूबर 2026 को वह अपनी पत्नी के साथ कोर्ट सिरसा गया हुआ था। शाम करीब पांच बजे जब वह वापस घर लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो बाथरूम की टोंटिया नहीं मिली।



सिरसा। टोंटी चोर का आरोपी।

धर्म-कर्म | अष्टमी के बाद शुरू होगी नवमी तिथि, पूजन को लेकर अलग-अलग मान्यताएं

कल सुबह 10:51 बजे तक अष्टमी, इसके बाद नवमी तिथि शुरू, अष्टमी पूजन को लेकर असमंजस, उदया तिथि के अनुसार 19 को करें पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नवरात्र के अंतिम दिनों में अष्टमी और नवमी पूजन की तिथियों को लेकर श्रद्धालुओं के बीच असमंजस बना हुआ है। कोई 18 अक्टूबर को महाष्टमी मनाने की तैयारी कर रहा है तो कोई 19 अक्टूबर को कन्या पूजन और हवन करेगा। पंचांग के अनुसार, अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर सुबह 8:27 बजे शुरू होकर 19 अक्टूबर सोमवार सुबह 10:51 बजे तक रहेगी। इसके बाद नवमी तिथि आरंभ हो जाएगी। ऐसे में उदया तिथि की परंपरा मानने वाले श्रद्धालु 19 अक्टूबर को अष्टमी पूजन कर सकते हैं। ज्योतिषी पंडित सोनू शर्मा के अनुसार, पर्वों पर पूजन का निर्णय केवल तिथि के आरंभ और समाप्त होने से नहीं, बल्कि संबंधित पर्व के नियमों और पंचांग की गणना से भी किया जाता है। इसलिए श्रद्धालुओं को अपने परिवार की परंपरा और मान्यताओं के अनुसार पूजन करना चाहिए।

दशहरे पर ये रहेंगे शुभ मुहूर्त

⏭अपराह्न पूजा मुहूर्त : दोपहर 1:14 से 3:30 बजे तक।
⏭विजय मुहूर्त : दोपहर 1:59 से 2:45 बजे तक।
⏭श्रद्धालु इन मुहूर्तों में अपनी परंपरा और पंचांग के अनुसार पूजा-अर्चना व शुभ कार्य कर सकेंगे।

19 को अष्टमी, कन्या पूजन और हवन की तैयारी

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार अष्टमी और नवमी पर घरों व मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। श्रद्धालु देवी स्वरूप मानकर 2 से 10 वर्ष तक की कन्याओं को भोजन कराते हैं। इसके बाद सामथ्र्य के अनुसार दक्षिणा और उपहार दिए जाते हैं। कई परिवारों में हवन के बाद कन्या पूजन करने की परंपरा है। भैरव बाबा और हनुमान जी को भी भोग अर्पित किया जाता है। कुछ परिवार अष्टमी तो कुछ नवमी के दिन ये अनुष्ठान करते हैं। व्रत रखने वाले श्रद्धालु अपनी परंपरा के अनुसार पूजा और कन्या पूजन के बाद व्रत खोलेंगे।



20 अक्टूबर को दशहरा रावण दहन की तैयारी

विजयादशमी का पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। पंडित सोनू शर्मा के अनुसार, दशमी तिथि 20 अक्टूबर दोपहर 12:50 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर दोपहर 2:11 बजे तक रहेगी। परंपरा के अनुसार, इसी दिन शाम को दशहरा मनाया जाएगा और विभिन्न स्थानों पर रावण दहन के कार्यक्रम होंगे। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक इस पर्व को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

बैंक एफडी से आगे निकल सकते हैं ये म्यूचुअल फंड?

■ ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ बाजार जोखिम भी, निवेश से पहले समझें कौन-सा विकल्प आपके लिए बेहतर



बिजनेस डेस्क

बैंक की सावधि जमा यानी एफडी को सुरक्षित निवेश का भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। इसमें ब्याज दर पहले से तय रहती है और निर्धारित अवधि पूरी होने पर मिलने वाली रकम का अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठाकर बेहतर रिटर्न की संभावना तलाशना चाहते हैं, उनके सामने म्यूचुअल फंड भी एक विकल्प हो सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक म्यूचुअल फंड की कुछ योजनाएं अपेक्षाकृत कम अवधि या सीमित जोखिम वाले निवेश के उद्देश्य से बनाई गई हैं। हालांकि, इन्हें बैंक एफडी जितना सुरक्षित मानना सही नहीं है। म्यूचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती और बाजार की परिस्थितियों के कारण निवेश की रकम घट भी सकती है।

1. एसबीआई सेविंग्स फंड

जिन निवेशकों को अपनी रकम कुछ महीनों के लिए निवेश करनी है, वे एसबीआई सेविंग्स फंड पर विचार कर सकते हैं। यह योजना मुख्य रूप से मनी मार्केट और अन्य अल्पकालिक ऋण साधनों में निवेश करती है। इसका उद्देश्य कम अवधि के लिए रकम का प्रबंधन करना होता है। हालांकि, इसका रिटर्न ब्याज दरों और पोर्टफोलियो में शामिल प्रतिभूतियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यदि किसी निश्चित तारीख पर पूरी रकम की जरूरत है, तो निवेश से पहले निकासी की शर्तें और जोखिम जरूर समझें।

2. एसबीआई लो ड्यूरेशन फंड

यह फंड उन निवेशकों के लिए एक विकल्प हो सकता है, जिन्हें कुछ समय तक रकम की जरूरत नहीं है और वे ऋण आधारित निवेश चाहते हैं। इसमें ब्याज दरों में बदलाव तथा बॉन्ड जारी करने वाली कंपनियों की भुगतान क्षमता से जुड़ा जोखिम रहता है। निवेश करने से पहले फंड की क्रेडिट गुणवत्ता, पोर्टफोलियो की अवधि और खर्च का आकलन करना जरूरी है। कम अवधि का फंड होने का अर्थ यह नहीं है कि इसमें नुकसान की आशंका नहीं है।

3. एसबीआई बैंकिंग एंड पीएसयू फंड

इस श्रेणी के फंड मुख्य रूप से बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और वित्तीय संस्थानों की ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। इन संस्थानों की साख अच्छी हो सकती है, लेकिन निवेश पूरी तरह जोखिम मुक्त नहीं होता। ब्याज दरों में बदलाव से बॉन्ड की कीमत प्रभावित हो सकती है। इसलिए निवेश की अवधि और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार ही फैसला लें।

4. एसबीआई आर्बिट्राज फंड

जो निवेशक सीधे शेयरों में पैसा लगाने से बचना चाहते हैं, वे आर्बिट्राज फंड की कार्यप्रणाली समझ सकते हैं। ऐसे फंड नकदी और वायदा बाजार में एक ही शेयर की कीमतों के अंतर से लाभ कमाने की कोशिश करते हैं। इनका जोखिम सामान्य इक्विटी फंड से अलग होता है, लेकिन रिटर्न निश्चित नहीं होता। निवेश से पहले खर्च, कर नियम और संभावित रिटर्न को समझना जरूरी है।

5. एसबीआई कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड

इस श्रेणी के फंड का बड़ा हिस्सा ऋण साधनों में और कुछ हिस्सा शेयरों में लगाया जाता है। इससे निवेशक को दोनों परिसंपत्ति श्रेणियों में भागीदारी मिलती है, लेकिन ब्याज दरों और शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ सकता है। इसे चुनने से पहले निवेश अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें।

एफडी या म्यूचुअल फंड, क्या चुनें?

यदि आपको निश्चित ब्याज दर और तय अवधि में रकम की जरूरत है, तो बैंक एफडी आपकी जरूरत के अधिक अनुकूल हो सकती है। पात्र बैंक जमा पर डीआईसीजीसी के नियमों के तहत एक जमाकर्ता को एक बैंक में समान अधिकार और क्षमता में रखे मूलधन तथा ब्याज को मिलाकर अधिकतम पांच लाख रुपये तक जमा बीमा सुरक्षा मिलती है। दूसरी ओर, म्यूचुअल फंड में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ नुकसान का जोखिम भी रहता है।

त्योहार पर ऑफर देखकर न ललचाएं वरना बढ़ सकता है ईएमआई का बोझ

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज नहीं देने का दावा कर रहे बैंक

लेकिन छूट छोड़ने और अतिरिक्त शुल्क चुकाने से महंगी पड़ सकती है खरीदारी

मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच

बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन में ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजार आकर्षक ऑफरों से भरे हैं। मोबाइल, टीवी, फ्रिज से लेकर लैपटॉप तक, हर सामान पर छूट और आसान किस्तों का लालच दिया जा रहा है। इनमें नो-कॉस्ट ईएमआई का ऑफर खास तौर पर ग्राहकों को आकर्षित करता है। एकमुश्त रकम खर्च किए बिना सामान घर लाने और ब्याज नहीं देने का दावा पहली नजर में फायदे का सौदा लगता है। लेकिन सावधान! केवल कम मासिक किस्त देखकर खरीदारी का फैसला करना जेब पर भारी पड़ सकता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट छोड़नी पड़ती है या प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क चुकाने पड़ते हैं। ऐसे में त्योहार की खरीदारी से पहले ऑफर की चमक के बजाय उसकी वास्तविक लागत समझना जरूरी है।

नो-कॉस्ट ईएमआई का गणित?

नो-कॉस्ट ईएमआई में ग्राहक सामान की कीमत एक साथ चुकाने के बजाय तय अवधि में मासिक किस्तों के जरिए भुगतान करता है। सामान्य ईएमआई में मूल रकम के साथ ब्याज भी देना होता है, जबकि नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज का खर्च किसी दूसरे तरीके से समायोजित किया जाता है। कई ऑफरों में बैंक या वित्तीय संस्थान के ब्याज की भरपाई विक्रेता या कंपनी की ओर से की जाती है। कुछ मामलों में इसके बदले ग्राहक को नकद खरीदारी पर मिलने वाली छूट नहीं मिलती। यानी ब्याज शून्य होने का दावा जरूरी नहीं कि खरीदारी को सबसे सस्ता बना दे। मान लीजिए, किसी मोबाइल की कीमत 30,000 रुपये है और नकद भुगतान पर 3,000 रुपये की छूट मिल रही है। ऐसे में मोबाइल 27,000 रुपये में खरीदा जा सकता है। वहीं, नो-कॉस्ट ईएमआई में यदि ग्राहक को यह छूट नहीं मिलती और उसे 30,000 रुपये किस्तों में चुकाने पड़ते हैं, तो बिना ब्याज के भुगतान करने के बावजूद वह 3,000 रुपये अधिक खर्च करेगा। इसके अलावा प्रोसेसिंग फीस या अन्य लागू शुल्क भी कुल लागत बढ़ा सकते हैं। इसलिए फैसला केवल ईएमआई की रकम देखकर नहीं, बल्कि दोनों विकल्पों की कुल कीमत की तुलना करके करना चाहिए।



खरीदारी से पहले इन बातों पर दें ध्यान

- **नकद कीमत से तुलना करें:** पता करें कि बिना ईएमआई के सामान कितने में मिल रहा है और किस्तों में लेने पर कुल भुगतान कितना होगा।
- **छूट का हिसाब लगाएं:** जांचें कि नो-कॉस्ट ईएमआई चुनने पर तत्काल छूट, कैशबैक या बैंक ऑफर का लाभ तो नहीं छूट रहा।
- **अतिरिक्त शुल्क देखें:** प्रोसेसिंग फीस, उस पर लागू कर और अन्य शुल्क जोड़कर वास्तविक लागत निकालें।
- **किस्त चुकाने की क्षमता परखें:** पहले से चल रहे कर्ज और ईएमआई के साथ नई किस्त जोड़कर देखें कि मासिक बजट पर कितना असर पड़ेगा।
- **देर से भुगतान की शर्तें पढ़ें:** किस्त चूकने पर लगने वाले शुल्क, ब्याज और अन्य नियमों की जानकारी पहले ही लें।
- **जरूरत को प्राथमिकता दें:** केवल त्योहार की छूट या सीमित समय के ऑफर के दबाव में गैरजरूरी सामान न खरीदें।

बचत को किस्तों से बचाएं

- त्योहारी खरीदारी के लिए सबसे बेहतर रणनीति बजट तय करके चलना है। पहले जरूरी सामान की सूची बनाएं, फिर अलग-अलग विक्रेताओं की कीमतों और भुगतान विकल्पों की तुलना करें। यदि एकमुश्त भुगतान के बाद आपातकालीन बचत प्रभावित होती है, तो उचित शर्तों वाली ईएमआई पर विचार किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आने वाले महीनों की आय से किस्तें आसानी से चुकाई जा सकें।
- नो-कॉस्ट ईएमआई का असली फायदा तभी है, जब वह नकदी का बेहतर प्रबंधन करे, न कि भविष्य की आय पर अनावश्यक बोझ डाले। त्योहार की खुशियां कुछ दिनों की होती हैं, लेकिन ईएमआई कई महीनों तक चल सकती है। इसलिए ऑफर देखकर नहीं, जरूरत, कुल लागत और अपनी भुगतान क्षमता देखकर खरीदारी करें।

कब फायदेमंद यह विकल्प

- नो-कॉस्ट ईएमआई हर स्थिति में नुकसान का सौदा नहीं है। यदि किसी जरूरी उपकरण की तत्काल आवश्यकता है और एकमुश्त भुगतान करने से घर का बजट बिगड़ सकता है, तो किस्तों में भुगतान उपयोगी विकल्प बन सकता है। इससे बचत की पूरी रकम एक साथ खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती और उपलब्ध नकदी का इस्तेमाल दूसरी जरूरी जरूरतों के लिए किया जा सकता है। बशर्ते किस्तों पर खरीदारी की कुल लागत नकद कीमत के मुकाबले उचित हो और मासिक किस्त आसानी से चुकाई जा सके।
- हालांकि, केवल इसलिए महंगा मोबाइल, बड़ा टीवी या नया लैपटॉप खरीदना उचित नहीं है कि उसकी किस्त कम दिखाई दे रही है। यदि सामान की जरूरत नहीं है या मौजूदा उपकरण ठीक काम कर रहा है, तो केवल ऑफर के आकर्षण में खरीदारी करना खर्च बढ़ाने जैसा है।

घर का बजट न बिगड़ने दें

त्योहार की खरीदारी का असली फायदा तभी है, जब उससे घर का बजट न बिगड़े। नो-कॉस्ट ईएमआई का इस्तेमाल वित्तीय सुविधा के रूप में करें, अतिरिक्त खर्च करने के बहाने के तौर पर नहीं। खरीदारी से पहले यह तय करना जरूरी है कि सामान अभी लेना कितना आवश्यक है और उसके लिए भविष्य की कितनी आय खर्च करनी पड़ेगी। यदि किस्त चुकाने के बाद बचत, जरूरी खर्चों या आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त पैसा नहीं बचेगा, तो खरीदारी टालना बेहतर है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि कई छोटी-छोटी ईएमआई मिलकर महीने के बजट पर बड़ा दबाव बना सकती हैं। इसलिए हर नई किस्त को अलग-अलग देखने के बजाय अपनी कुल मासिक देनदारी का हिसाब लगाएं। क्रेडिट कार्ड से जुड़ी ईएमआई में भुगतान की शर्तें और बकाया राशि पर लगने वाले शुल्क भी समझें। केवल विज्ञापन में दिख रही किस्त की रकम के आधार पर निर्णय न लें। आर्थिक समझदारी का अर्थ हर सुविधा से दूर रहना नहीं, बल्कि सुविधा का सही समय पर इस्तेमाल करना है। यदि नो-कॉस्ट ईएमआई से नकदी बचती है और कुल लागत भी उचित रहती है, तो इसका लाभ उठाया जा सकता है। लेकिन त्योहार का उत्साह क्षणिक है, जबकि भुगतान की जिम्मेदारी लंबे समय तक रहती है। खरीदारी ऐसी करें, जिसका आनंद बाद में आर्थिक चिंता में न बदले।



एसआईपी पर भरोसा बरकरार

सितंबर में रिकॉर्ड 32,490 करोड़ का निवेश, इक्विटी फंड में भी निवेश बढ़ा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

स्मॉलकैप और मिडकैप फंड में सबसे ज्यादा पैसा आया; बाजार की चाल से ज्यादा निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता पर ध्यान देना जरूरी

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश को लेकर अनिश्चितताओं के बीच म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश करने वाले निवेशकों का भरोसा कायम है। सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपये पहुंच गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में एसआईपी के जरिए 32,297 करोड़ रुपये का निवेश आया था। वहीं, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश भी अगस्त के 29,329 करोड़ रुपये से बढ़कर सितंबर में 38,307 करोड़ रुपये हो गया। यह करीब 30.6 प्रतिशत की मासिक वृद्धि है। आंकड़े बताते हैं कि निवेशक बाजार में पैसा लगाने के लिए नियमित निवेश का रास्ता अपना रहे हैं। हालांकि, निवेश प्रवाह बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार में तेजी निश्चित है या हर श्रेणी का फंड बेहतर रिटर्न देगा।

फ्लेक्सीकैप फंड में शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ पहुंचा

निवेश लगातार बढ़ रहा

एसआईपी निवेश का सबसे बड़ा फायदा नियमितता है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड में लगाते हैं। इससे बाजार की चाल देखकर बार-बार निवेश का फैसला करने की जरूरत कम होती है। सितंबर में एसआईपी निवेश पिछले साल के इसी महीने के 29,361 करोड़ रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत बढ़ा है। यह वृद्धि बताती है कि अधिक निवेशक नियमित निवेश की आदत बनाए हुए हैं। एसआईपी के जरिए निवेश करने पर बाजार नीचे होने पर समान रकम से अधिक और बाजार ऊपर होने पर अपेक्षाकृत कम यूनिट खरीदी जाती हैं। इसे रुपये की औसत लागत का लाभ कहा जाता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका समाप्त नहीं होती और न ही मुनाफे की गारंटी मिलती है।

ये फंड चमके

सितंबर में स्मॉलकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद रहे। इस श्रेणी में शुद्ध निवेश अगस्त के 7,973 करोड़ रुपये से बढ़कर 9,039 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, मिडकैप फंड में निवेश 6,989 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,835 करोड़ रुपये पहुंच गया। दोनों श्रेणियों में निवेश बढ़ना बताता है कि निवेशकों की दिलचस्पी अपेक्षाकृत अधिक उतार-चढ़ाव वाली कंपनियों में बनी हुई है। स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियों में भविष्य में तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में गिरावट का जोखिम भी अधिक रहता है। बाजार में कमजोरी आने पर इन फंडों के मूल्य में तेज गिरावट संभव है। इसलिए केवल अधिक निवेश आने के आंकड़े देखकर इनमें पैसा लगाना उचित नहीं है। निवेशक को अपनी जोखिम सहने की क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश की अवधि को ध्यान में रखना चाहिए।

फ्लेक्सीकैप व लार्जकैप में भी सुधार

फ्लेक्सीकैप फंड में सितंबर के दौरान शुद्ध निवेश 32.5 प्रतिशत बढ़कर 6,702 करोड़ रुपये पहुंच गया। अगस्त में यह आंकड़ा 5,059 करोड़ रुपये था। फ्लेक्सीकैप फंड के प्रबंधक बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इस वजह से इनका निवेश दायरा व्यापक होता है, हालांकि इनसे भी बाजार संबंधी जोखिम जुड़े रहते हैं। लार्जकैप फंड में भी निवेशकों की वापसी देखने को मिली। अगस्त में इन फंडों से 1,147 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई थी, जबकि सितंबर में 859 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। लार्जकैप फंड मुख्य रूप से बड़ी और स्थापित कंपनियों में निवेश करते हैं। इन्हें स्मॉलकैप फंडों की तुलना में अपेक्षाकृत कम जोखिम वाला माना जा सकता है, लेकिन बाजार गिरने पर इनमें भी नुकसान हो सकता है।

कुल संपत्ति में गिरावट

इक्विटी फंड में निवेश बढ़ने के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति सितंबर में घटकर 82.64 लाख करोड़ रुपये रह गई। अगस्त में यह 87.08 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह एक महीने में करीब 4.44 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इसका एक बड़ा कारण डेट म्यूचुअल फंड में भारी शुद्ध निकासी रही। सितंबर में डेट फंड से 1.83 लाख करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि अगस्त में इनमें 8,127 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। इसके अलावा, बाजार के मूल्यांकन में बदलाव भी कुल संपत्ति के आंकड़े को प्रभावित कर सकता है। इसलिए म्यूचुअल फंड की कुल संपत्ति में गिरावट को केवल इक्विटी निवेशकों के भरोसे में कमी के रूप में देखना सही नहीं होगा।

जोखिम का आकलन जरूरी

सितंबर के आंकड़े नियमित निवेश के प्रति निवेशकों की बढ़ती रुचि दिखाते हैं, लेकिन निवेश का फैसला केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं होना चाहिए। सबसे पहले आपातकालीन जरूरतों के लिए पर्याप्त बचत रखें और महंगे कर्ज को प्राथमिकता से चुकाने की योजना बनाएं। इसके बाद अपने वित्तीय लक्ष्य के अनुसार निवेश की अवधि तय करें। लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन फंड की श्रेणी चुनते समय जोखिम क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : ऐसे में बाजार की चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की रणनीति बनाएं

एकमुश्त रकम लगाने से बचें, 5 से 10 लाख रुपये निवेश करने से पहले तय करें लक्ष्य, समयावधि और जोखिम उठाने की क्षमता

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि पैसा कब और कहां लगाया जाए। जिन लोगों के पास 5 से 10 लाख रुपये की एकमुश्त राशि है, वे अक्सर बाजार में गिरावट का इंतजार करते हैं या तेजी देखकर पूरी रकम निवेश कर देते हैं। दोनों ही स्थितियों में जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बाजार की अगली चाल का अनुमान लगाने के बजाय निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। पूरी रकम एक ही दिन लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश करना जोखिम संभालने में मदद कर सकता है। हालांकि, इससे नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती। जानकारों का कहना है कि हालिया गिरावट के बाद लार्जकैप शेयरों का मूल्यांकन अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहा है। 12 अक्टूबर के आंकड़ों के मुताबिक, निफ्टी-50 का पिछला 12 महीने का मूल्य-आय अनुपात 19.1 गुना था, जबकि निफ्टी मिडकैप-150 का 28.1 गुना और निफ्टी स्मॉलकैप-250 का 34.4 गुना था।



स्मॉलकैप में जोखिम को न भूलें : लंबी अवधि के निवेशकों के लिए स्मॉलकैप कंपनियों में विकास की संभावनाएं हो सकती हैं। लेकिन इन शेयरों में उतार-चढ़ाव अधिक होता है और गिरावट के दौरान नुकसान बड़ा हो सकता है। इसलिए स्मॉलकैप में निवेश तभी उचित है, जब निवेशक कम से कम पांच वर्ष तक पैसा लगाए रखने की स्थिति में हों और बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश निकालने से बच सकें।

विविधीकरण से संभालें जोखिम : फ्लेक्सीकैप फंड बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। मल्टीकैप फंडों में इन तीनों श्रेणियों में कम से कम 25-25 प्रतिशत निवेश करना अनिवार्य है। वहीं, मल्टी-एसेट फंड इक्विटी, ऋण आधारित साधनों और सोने जैसी अलग-अलग परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इससे किसी एक श्रेणी पर निर्भरता कम हो सकती है। हालांकि, हर फंड का जोखिम अलग होता है।

40:60 की रणनीति अपना सकते हैं : यदि आपके पास 10 लाख रुपये हैं, तो एक विकल्प के तहत 4 लाख रुपये शुरुआती चरण में और शेष 6 लाख रुपये अगले तीन से छह महीने में किस्तों में निवेश किए जा सकते हैं। पांच लाख रुपये की राशि के लिए यही अनुपात 2 लाख और 3 लाख रुपये होगा। इससे पूरी रकम बाजार के किसी एक स्तर पर लगाने का जोखिम कम हो सकता है। यह अनुपात हर निवेशक के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है; इसे लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुसार तय करना चाहिए।

निवेश से पहले लागत, गुणवत्ता और ग्राहकों की जरूरत का करें आकलन

दिवाली से पहले शुरू करें ये कारोबार, कम पूंजी में कमाई का मौका

आइडिया

बिजनेस डेस्क

तोरण-सजावट, मिठाई, उपहारों की टोकरी और चॉकलेट की त्योहारों में बढ़ती मांग का उठाएं लाभ



त्योहारों का मौसम छोटे कारोबारियों और अपना काम शुरू करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अतिरिक्त कमाई का अवसर लेकर आता है। दिवाली पर घरों की सजावट से लेकर मिठाई, उपहार और चॉकलेट तक की खरीदारी बढ़ जाती है। इस साल 8 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। ऐसे में तैयारी के लिए सीमित समय बचा है। इच्छुक लोग अपनी पूंजी और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार छोटा कारोबार शुरू कर सकते हैं। कुछ काम घर से भी किए जा सकते हैं, जिससे दुकान का किराया बच सकता है। हालांकि, केवल त्योहार में मांग बढ़ने के अनुमान के आधार पर निवेश करना सही नहीं है। पहले स्थानीय बाजार, संभावित ग्राहकों, सामान की लागत और बिक्री की योजना समझना जरूरी है।

तोरण और सजावटी सामान का कारोबार

दिवाली पर घरों और दुकानों को सजाने के लिए तोरण, बंदनवार, कृत्रिम फूल, रंगोली सामग्री, दीये, लाइटें और सजावटी वस्तुओं की खरीदारी होती है। कम पूंजी में इस कारोबार की शुरुआत सीमित उत्पादों से की जा सकती है। स्थानीय थोक बाजार से सामान खरीदकर घर, छोटी दुकान या इंटरनेट के माध्यम से बिक्री का विकल्प अपनाया जा सकता है। इस कारोबार में अलग-अलग बजट के उत्पाद रखना उपयोगी है। पारंपरिक सजावट के साथ आधुनिक डिजाइन और दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले उत्पाद भी ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। दिवाली के बाद क्रिसमस और नए साल की सजावट से संबंधित सामान बेचने की योजना भी बनाई जा सकती है। हालांकि, बचा हुआ मौसमी स्टॉक अगली बिक्री तक पूंजी फंसा सकता है, इसलिए जरूरत से ज्यादा सामान खरीदने से बचें।

मिठाई का काम

दिवाली पर मिठाइयों की मांग बढ़ने से यह कारोबार कमाई का अवसर दे सकता है। जिन लोगों को मिठाई बनाने का अनुभव है, वे सीमित मात्रा से शुरुआत कर सकते हैं। अन्य लोग किसी भरोसेमंद निर्माता से सामान लेकर बिक्री का विकल्प तलाश सकते हैं। पारंपरिक मिठाइयों के साथ छोटे पैक और उपहार पैक भी रखे जा सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक ग्राहकों के लिए कम चीनी या बिना अतिरिक्त चीनी वाले उत्पादों की मांग का आकलन किया जा सकता है। हालांकि, ऐसे उत्पादों पर स्पष्ट सामग्री और पोषण संबंधी जानकारी देना जरूरी है। मिठाई जल्दी खराब हो सकती है, इसलिए ताजगी, भंडारण, स्वच्छता और समय पर आपूर्ति का ध्यान रखें। खाद्य कारोबार शुरू करने से पहले लागू खाद्य सुरक्षा नियमों और एफएसएसएआई पंजीकरण या लाइसेंस की जरूरत की जानकारी अवश्य लें।

उपहारों की टोकरी बनाकर बेचें

दिवाली पर परिवारों, मित्रों और कारोबारी सहयोगियों को उपहार देने की परंपरा है। इसका लाभ उठाकर सूखे मेवे, सजावटी सामान, उपयोगी घरेलू वस्तुओं और अन्य उत्पादों की आकर्षक उपहार टोकरी तैयार की जा सकती है। ग्राहक के बजट के अनुसार छोटे, मध्यम और प्रीमियम पैक बनाए जा सकते हैं। इस कारोबार की खासियत यह है कि शुरुआत में बहुत अधिक स्टॉक रखना जरूरी नहीं। पहले नमूने तैयार करके ग्राहकों से ऑर्डर लिए जा सकते हैं। स्थानीय दुकानों, कार्यालयों और परिचित कारोबारियों से संपर्क करना भी उपयोगी हो सकता है। पैकिंग, उत्पादों की गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति पर विशेष ध्यान दें। हर टोकरी की लागत में सामान, पैकिंग, परिवहन और अपने श्रम को शामिल करके ही कीमत तय करें।

घर से चॉकलेट बनाकर बेचें

हस्तनिर्मित चॉकलेट, उपहार पैक और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पाद त्योहारों पर उपहार के विकल्प बन सकते हैं। चॉकलेट बनाने का कौशल रखने वाले लोग छोटे बैच से शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय ग्राहकों, परिचितों और इंटरनेट आधारित माध्यमों से ऑर्डर जुटाए जा सकते हैं। इस कारोबार में कच्चे माल की गुणवत्ता, स्वाद, पैकिंग और भंडारण महत्वपूर्ण हैं। गर्म मौसम या अनुचित भंडारण से चॉकलेट की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसलिए उत्पादन क्षमता के अनुसार ही ऑर्डर लें और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करें। बड़े निवेश से पहले कुछ नमूने बनाकर ग्राहकों की प्रतिक्रिया लेना बेहतर होगा।

निवेश से पहले बनाएं खर्च का हिसाब

इन चारों कारोबारों में शुरुआती लागत उत्पादों की संख्या, गुणवत्ता, उपकरण, पैकिंग और बिक्री के माध्यम पर निर्भर करेगी। शुरुआत छोटी रखकर मांग के अनुसार विस्तार करना जोखिम सीमित कर सकता है। संभावित बिक्री को निश्चित मुनाफा न मानें। सामान की लागत के साथ परिवहन, बिजली, पैकिंग, खराब होने वाले उत्पाद और बिना बिके स्टॉक का खर्च भी जोड़ें। त्योहारों में कारोबार का अवसर जरूर है, लेकिन कमाई की गारंटी नहीं। ग्राहकों की जरूरत समझकर, गुणवत्ता बनाए रखकर और पूंजी का हिसाब रखते हुए शुरुआत की जाए तो छोटा मौसमी कारोबार आगे चलकर नियमित आय का जरिया भी बन सकता है।



डॉग स्कवाड के साथ 23 घरों में चार घंटे चला सर्च अभियान

- अलसुबह शहर के चंडीगढिया मोहल्ले में की छानबीन
- अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए संदिग्ध स्थानों को तलाशा
- संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

शहर में नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सिरसा पुलिस ने अब संदिग्ध ठिकानों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में जिला पुलिस ने शनिवार अलसुबह शहर के चंडीगढिया मोहल्ले में डॉग स्कवाड की मदद से विशेष सर्च अभियान चलाया। सुबह 5 बजे से 9 बजे तक करीब चार घंटे चले इस अभियान के दौरान नशा तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे 23 घरों की तलाशी ली गई।

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि डीएसपी राजवीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस की चार टीमों ने चंडीगढिया मोहल्ला सिरसा में सर्च अभियान चलाया। इस दौरान संबंधित घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों की भी जांच की गई। डॉग स्क्वॉयड की सहायता से संदिग्ध स्थानों को खंगाला गया ताकि नशे के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों का पता लगाकर नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। एसपी ने कहा कि जिला पुलिस नशे के अवैध कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और अलग-अलग क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

फतेहाबाद पुलिस जल्द चलाएगी विशेष अभियान

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के दौड़े वाहन तो कटेगा चालान

- वाहन की नंबर प्लेट उसकी सबसे महत्वपूर्ण होती है पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

सडक़ सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने, वाहनों की प्रामाणिक पहचान सुनिश्चित करने तथा वाहन चोरी एवं आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस जल्द ही जिलेभर में विशेष जांच व जागरूकता अभियान चलाने जा रही है।

पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने सभी वाहन मालिकों और चालकों से अपील की है कि वे किसी भी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए समय रहते अपने वाहनों पर नियमानुसार हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्य रूप से लगवाएं। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि वाहन की नंबर प्लेट उसकी सबसे महत्वपूर्ण पहचान होती है। जिस तरह नागरिक की अपनी विशिष्ट पहचान होती है, उसी प्रकार सडक़ पर चलने वाले प्रत्येक वाहन की भी स्पष्ट पहचान होना सुरक्षा की दृष्टि से बेहद आवश्यक है। एसपी निकिता खट्टर ने बताया कि हाई सिक्योरिटी प्लेट सामान्य नंबर प्लेट की तुलना में अधिक सुरक्षित और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होती है। इसमें विशेष सुरक्षा विशेषताएं होती हैं, जो नंबर प्लेट से छेड़छाड़ और दुरुपयोग को रोकती हैं। वाहन चोरी होने या किसी आपराधिक घटना की स्थिति में जांच के दौरान मानक नंबर प्लेट बेहद मददगार साबित होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि वाहनों पर अस्पष्ट नंबर लिखना, फैंसी या डिजाइनर प्लेट लगाना, अनधिृत फान्ट का प्रयोग करना अथवा नंबर छिपाना कानूनन अपराध है और ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा।

अब तक 7064 चालान और 625 जागरूकता कार्यक्रम



जिले में यातायात व्यवस्था की स्थिति साझा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस साल एक जनवरी से 17 अक्टूबर तक नियमों का उल्लंघन करने वाले 7064 वाहनों के चालान किए जा चुके हैं। केवल चालान काटना पुलिस का उद्देश्य नहीं है, बल्कि प्रवर्तन के साथ-साथ जनजागरूकता को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में जिले के स्कूलों, कालेजों, बस स्टैंडों और सार्वजनिक स्थानों पर अब तक 625 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को यातायात नियमों के प्रति संवेदित किया गया है। प्रस्तावित अभियान के तहत यातायात पुलिस पहले वाहन चालकों को हाई सिक्योरिटी प्लेट लगवाने की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करेगी। इसके बाद संघन चेकिंग अभियान चलाकर बिना एचएसआरपी, ढकी हुई, टूटी या अनधिकृत नंबर प्लेट वाले वाहनों के मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान काटे जाएंगे।



फतेहाबाद। क्विज प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते कॉलेज प्राचार्य।

राज्यस्तरीय क्विज में एमएम कॉलेज के विद्यार्थी रहे तीसरे स्थान पर

- विद्यार्थियों को मैरिट सर्टिफिकेट व नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

एमएम पीजी कॉलेज, फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राज्य स्तर पर कालेज का नाम रोशन किया है। राजकीय महिला महाविद्यालय, हिसार द्वारा आयोजित की गई राज्य स्तरीय 'ज्ञान त्रिवेणी' क्विज प्रतियोगिता में एमएम कालेज के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता कंप्यूटर साइंस, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स इन तीन प्रमुख विषयों पर आधारित थी। कालेज की ओर से प्रो. तान्या मेहता के नेतृत्व में बीबीए द्वितीय वर्ष की छात्रा सिमरन, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कल्पना तथा बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र उपमन्यु ने इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया था। कड़े मुकाबले के बाद इन विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल का परिचय देते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यार्थियों को मैरिट सर्टिफिकेट व नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सफलता पर कॉलेज के प्राचार्य डा. गुरचरण दास ने विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एमएम कालेज के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे मंच विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होते हैं।

रक्तदान शिविर, जागरण व भंडारा लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭| डिग

श्री शिव शक्ति शाक्य समिति एवं समस्त ढाणी खुहवाली ग्रामीणों की ओर से रक्तदान शिविर और माता रानी के भंडारे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जागरण कमेटी के सदस्यों द्वारा किया गया। इस दौरान रक्तदाताओं ने उत्साह के साथ रक्तदान कर सामाजिक सेवा का संदेश दिया। वहीं मां भगवती के जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता रानी का गुणगान सुना और आशीर्वाद प्राप्त किया। जागरण में भजन गायक विनोद चंचल तथा गायिका रचना अटवाल ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। जागरण के दौरान पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई। इस मौके पर समिति प्रधान दाता राम शाक्य, नरसिंह शाक्य, सुनील कुमार शाक्य, परमजीत सिंह, मनींद्र सिंह, रोहतास रंजीत, शंकर लाल जागरण कमेटी के सदस्य तथा ढाणी खुहवाली के अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।



डिंग। भजनों की प्रस्तुति देते हुए भजन गायिका। फोटो : हरिभूमि



आदर्श स्कूल दरियापुर में डांडिया उत्सव की धूम

फतेहाबाद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दरियापुर में आज डांडिया उत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इसमें प्ले-वे से कक्षा नौवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुतियों और मनमोहक समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। डांडिया भारतीय संस्कृति और लोकपरंपराओं से जुड़ा एक लोकप्रिय लोकनृत्य है, जो विशेष रूप से नवरात्रि के अवसर पर किया जाता है। यह नृत्य आनंद, सामूहिक सहभागिता, आपसी तालमेल और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। विद्यालय में इस उत्सव का आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जोडने तथा उनमें कला, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामूहिक भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने कार्यकम को यादगार बना दिया। इस प्रकार की गतिविधियाँ शिक्षा को आनंदमय बनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

19 को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेगी कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

जातीय जनगणना की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा 19 अक्तूबर को फतेहाबाद जिला मुख्यालय पर रोष प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस कार्यक्रम की कमान आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश संभालेंगे, जबकि अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा करेंगे। इस प्रदर्शन में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, पूर्व विधायकगण, कांग्रेस ओबीसी सैल, कांग्रेस सेवादल, महिला विंग तथा युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस जिला स्तरीय प्रदर्शन व ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस नेताओं ने शहर में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया।

कांग्रेस नेता नरेश सोनी एडवोकेट व मुकेश प्रजापति ने बताया कि जनसंपर्क अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जातीय जनगणना पिछड़ा वर्ग का संवैधानिक अधिकार है, कोई अहसान नहीं। जब तक आबादी के अनुसार आंकड़े सामने नहीं आएंगे, तब तक पिछड़े और वंचित वर्गों के लिए प्रभावी कल्याणकारी नीतियां बनाना संभव नहीं है। कांग्रेस पार्टी की स्पष्ट मांग है कि जनगणना फार्म में प्रत्येक जाति के लिए विशिष्ट वैज्ञानिक कोड, राज्यवार मानकीकृत जाति मास्टर लिस्ट तथा ड्रॉप-डाउन मेन्यू का प्रावधान किया जाए ताकि पारदर्शी आंकड़े जुटाए जा सकें। जनसंपर्क अभियान के दौरान नरेश सोनी, शम्मी रत्ति, मुकेश प्रजापति, होशियार सिंह प्रजापति गोरखपुर, सुरेश यादव, अजय ढाका प्रधान, मनोज बिश्नोई, राकेश, अश्वनी, मुकेश आदि मौजूद रहे।



फतेहाबाद। जनसम्पर्क अभियान चलाते कांग्रेस नेता।



डबवाली। शिविर में रक्तदान करते हुए युवा। फोटो :हरिभूमि

रिसालियाखेड़ा में शिविर में 101 ने किया रक्तदान

हरभूमि न्यूज ⏭| डबवाली

उपमंडल के गांव रिसालियाखेड़ा स्थित खेल स्टेडियम में शनिवार को युवा क्रिकेटर स्व. विजय साहू की द्वितीय पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर का उदघाटन डबवाली की एसपी जसलीन कौर ने किया। शिविर में 101 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। रक्त संग्रहण का कार्य वरदान चैरिटेबल ब्लड सेंटर, सिरसा की टीम द्वारा किया गया। एसपी ने रक्तदाताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा इस पुनीत कार्य के लिए उनकी सराहना की। स्कूली के बच्चों ने पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर का अभिनंदन किया। इसके बाद आयोजकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। जसलीन कौर ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। रक्त की एक यूनिट किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने लोगों, विशेषकर युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान जैसे पुनीत कार्यों के साथ-साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़-चढक़र भाग लें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं। कार्यक्रम में चौकी प्रभारी गोरीवाला सज्जन सिंह, सुरक्षा शाखा प्रभारी अनिल कुमार, गांव रिसालियाखेड़ा की सरपंच रेखा रानी, सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन सिंह एवं काफी संख्या में युवा, महिलाएं, बच्चे, प्रतिष्ठित व्यक्ति व ग्रामीण मौजूद रहे।

आमजन को नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान की दी जानकारी

भगवान राम के आदर्शों से नशे की बुराई मिटाने का लें संकल्प : जय सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद



फतेहाबाद। रामलीला के दौरान लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करते उपनिरीक्षक सुंदरलाल।

रामलीला संयम की प्रेरणा का माध्यम : डीएसपी

उप पुलिस अधीक्षक जय सिंह ने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन या धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संयम की प्रेरणा देने का माध्यम है। भगवान श्रीराम का जीवन सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और सदाचार से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय पाई जा सकती है। फतेहाबाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास चल रहे नशे के अवैध कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें और पीड़ित लोगों को इलाज के लिए प्रेरित करें। श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर नशामुक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज का निर्माण करें।

भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और सदाचार का संदेश देने वाली रामलीला का मंच इस बार एक बड़े सामाजिक बदलाव का साक्षी बना। फतेहाबाद पुलिस ने सांस्कृतिक संध्या के बीच जन-जन तक नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश पहुंचाया। डीएसपी ट्रैफिक जय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने राम सेवा समिति द्वारा आयोजित रामलीला में पहुंचे दर्शकों को नशे के खतरनाक दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति टीम फतेहाबाद के उपनिरीक्षक सुंदरलाल ने आमजन को नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी दी। दर्शकों को संबोधित करते हुए उपनिरीक्षक सुंदरलाल ने कहा कि नशा एक ऐसी दीमक जैसी सामाजिक बुराई है जो धीरे-धीरे व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता और भविष्य को नष्ट कर देती है। यह न केवल व्यक्ति को आर्थिक संकट और पारिवारिक कलह में धकेलता है, बल्कि समाज की प्रगति को भी रोक देता है। युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं, और उन्हें अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगानी चाहिए।

विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा



सिरसा। सेंट एमएसजी ग्लोरियस इंटरनेशनल स्कूल गल्र्स विंग में शनिवार को विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्राओं ने वर्किंग मॉडल और आकर्षक कलाकृतियों के जरिए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि शाह सतनाम जी गल्र्स कॉलेज की प्राचार्या डॉ. गीता मोंगा, कॉलेज आईक्यूएसी निदेशक डॉ. रिशु तोमर व शाह सतनाम जी गल्र्स स्कूल प्राचार्या डॉ. शीला पुनिया व सोनाली ने विभिन्न मॉडलों का अवलोकन किया। छात्राओं ने अपने प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली समझाई और अतिथियों के सवालों के जवाब देकर वैज्ञानिक सोच व आत्मविश्वास का परिचय दिया। विज्ञान के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करने के साथ छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण और वैकल्पिक ऊर्जा जैसे विषयों पर भी अपनी समझ दिखाई। कला प्रदर्शनी में पेंटिंग, पेंसिल स्केच और क्राफ्ट वर्क के माध्यम से सामाजिक संदेशों और प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाया गया।

एपेक्स कॉन्वेंट में बच्चों की आंखों की सेहत पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद



बच्चों की आंखों की सेहत को लेकर लापरवाही न हो और दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सके, इसी उद्देश्य से एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल, फतेहाबाद में नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पहली से तीसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों की आंखों की जांच की गई। उम्मीद मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल की डॉ. नेहा चौधरी और उनकी टीम ने बच्चों का परीक्षण किया तथा उन्हें आंखों की उचित देखभाल और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कम उम्र में बच्चों की दृष्टि पर ध्यान देना बेहद जरूरी है, क्योंकि आंखों से जुड़ी परेशानी उनकी पढ़ाई और रोजमर्रा की गतिविधियों को प्रभावित कर सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आयोजित शिविर में बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी गई। इसका उद्देश्य संभावित दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय रहते पता लगाने के साथ विद्यार्थियों में आंखों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

किसानों को निमाटोड से बचाव के बताए उपाय

हरिभूमि न्यूज ⏭| डिग



फसलों में निमाटोड (सूत्रकृमि) के प्रकोप से होने वाले नुकसान को लेकर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के विशेषज्ञों ने गांव शेरपुरा में किसानों के खेतों का दौरा किया। इस दौरान वैज्ञानिकों ने फसलों का निरीक्षण कर किसानों को बीमारी के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी।

कृषि विशेषज्ञ डॉ. गौतम चावला, अनिल वत्स, डॉ. सरदूल मान, डॉ. विनोद वत्स और प्रकाश भानकर ने किसानों से बातचीत करते हुए बताया कि निमाटोड मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव हैं, जो पौधों की जड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। इनके प्रकोप से पौधे पीले पडऩे लगते हैं, उनकी बढ़वार रुक जाती है और जड़ों में गांठें बनने लगती हैं। इससे फसल की पैदावार पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों ने किसानों को निमाटोड की रोकथाम के लिए फसल चक्र अपनाने, नीम की खली का इस्तेमाल करने और गर्मियों में खेतों की गहरी जुताई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कृषि विशेषज्ञों की सिफारिश के अनुसार ही रसायनों का प्रयोग करें।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन ने किया अपना घर और वृद्धाश्रम का दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

संत शिरोमणि श्री श्री 108 डॉ. स्वामी सदानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में नेशनल हाईवे बाईपास फतेहाबाद पर संचालित श्री सद्गुरू कृपा अपना घर आश्रम एवं श्री कृष्ण प्रणामी वृद्ध एवं महिला आश्रम का शनिवार को हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल और सचिव योगेश कुमार मेहता ने दौरा किया। उनके साथ व्यापार मंडल व अनाज मंडी फतेहाबाद की टीम भी विशेष रूप से मौजूद रही। आश्रम पहुंचने पर संस्था के सेवादार एवं प्रमुख समाजसेवी विनोद तायल और अशोक भूकर ने उनका स्वागत किया। दौरे की शुरुआत में अतिथियों ने आश्रम में रह रही मंदबुद्धि महिलाओं से मुलाकात कर उनसे आत्मीय वार्तालाप किया और उनका कुशलक्षेम जाना। इसके बाद वे सद्गुरू कृपा अपना घर एवं श्री कृष्ण प्रणामी वृद्धाश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने वहां निवास कर रहे बेसहारा बुजुर्गों का हालचाल जाना तथा आश्रम में दी जा रही विभिन्न जनहित सेवाओं और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इसके बाद अतिथियों ने श्री कृष्ण प्रणामी गौवंश अनुसंधान संस्थान का दौरा किया, जहां उन्होंने गौवंश के रख-रखाव की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अपने हाथों से गौमाता को हरा चारा खिलाया।



ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर व्यापार मंडल अनाज मंडी के प्रधान रमेश तनेजा, उपप्रधान कृष्ण कुमार, सचिव बागराम सरपंच, सहसचिव सुरजीत कुमार, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेश कुमार, सतपाल अरोड़ा, बाली मित्तल, सुशील बंसल, नगरपरिषद के पूर्व अध्यक्ष दर्शन नागपाल और नरेंद्र सिंगला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगिता मुख्य अतिथि सांसद सुभाष बराला ने गतका चैंपियनशिप-2026 का शुभारंभ किया

रतिया में राष्ट्रीय गतका प्रतियोगिता में पहुंचे सांसद देश के 21 राज्यों के खिलाड़ी दिखा रहे हुनर

हरिभूमि न्यूज ⏭| रतिया

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि युवा देश की संस्कृति, सभ्यता और भविष्य के कर्णधार हैं। युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से पूरी तरह दूर रहकर खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि यह विद्यार्थियों में अनुशासन, साहस, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भी विकसित करते हैं।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला शनिवार को रतिया स्थित गुरु नानक डिफेंस एंड स्पोर्ट्स एकेडमी में गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित सब-जूनियर एवं जूनियर नेशनल गतका चैंपियनशिप-2026 के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 21 अलग-अलग प्रदेशों से आए खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों की इस बड़ी सहभागिता को भारत की विविधता, सांस्कृतिक एकता और अटूट खेल भावना का प्रतीक बताते हुए सांसद ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की। युवाओं से सीधा संवाद करते हुए सांसद सुभाष बराला ने आह्वान किया कि वे नशे के अंधकार से दूर रहकर अपना ध्यान खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों पर केंद्रित करें।



रतिया। विजेताओं को सम्मानित करते सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

नशा पूरे परिवार व समाज को कर देता है खोखला

उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को दीमक की तरह खोखला कर देता है। इसलिए युवाओं का यह कर्तव्य है कि वे खुद भी नशामुक्त रहें और अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। प्रतियोगिता के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे खिलाड़ियों ने शानदार मार्च पास्ट और गतका के बेहतरीन करतबों से दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र और बलविंदर सहित आयोजन से जुड़े प्रमुख सहयोगी, विभिन्न राज्यों के खेल प्रबंधक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नवरात्र में 600 छात्राओं में परोसा महाप्रसाद

सिरसा। मां दुर्गा के पावन नवरात्रों के उपलक्ष्य में धार्मिक व सामाजिक संस्था हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट के सौजन्य से स्थानीय बेगू रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में विशाल कन्या पूजन एवं महाप्रसाद वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की लगभग 600 छात्राओं को पूरे आदर एवं श्रद्धा भाव के साथ महाप्रसाद कराया गया। समारोह में उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलाल मुख्यातिथि थे। उनके साथ हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला व बेटी श्रुति भी मौजूद रही।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट का छात्रवृत्ति समारोह आज

सिरसा। श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट, सिरसा का 26वां छात्रवृत्ति समारोह श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय में 18 अक्तूबर की सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के प्रधान ओमप्रकाश सुथार ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए छात्रवृत्ति के लिए गए आए आवेदनों की जांच में 53 विद्यार्थियों को पात्र घोषित किया गया है, जिन्हें 1.76 लाख रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ-साथ 10 विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन ने की बैठक

सिरसा। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन राजेश ठकराल और सचिव योगेश कुमार मेहता ने शनिवार को सिरसा अनाजमंडी स्थित मार्केट कमेटी कार्यालय में आढ़तियों और व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंडी की व्यवस्थाओं, धान खरीद, बरसाती पानी की निकासी और व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। बोर्ड चेयरमैन ने आश्वासन दिया कि व्यापारियों, आढ़तियों और किसानों की समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा।

ग्रामीणों को औषधीय पौधों पर किया जागरूक

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष विभाग, सिरसा की ओर से गांव धोलपालिया, भरोखां और शेखूपुरिया में ग्रामीणों को औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया और पौधारोपण किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशु शर्मा ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

अपशिष्ट प्रबंधन पर छात्रों को किया जागरूक

फतेहाबाद। राजकीय कॉलेज में अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गुणवती ने विद्यार्थियों को अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि बढ़ता हुआ कचरा आज पर्यावरण के समक्ष एक गंभीर चुनौती है। इसके उचित प्रबंधन के लिए गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग करना, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए।

मनदीप सिंह और लखविंदर कौर बने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय 25वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में लड़कों वर्ग में बी.ए. तृतीय वर्ष के मनदीप सिंह तथा लड़कियों वर्ग में बी.ए. द्वितीय वर्ष की लखविंदर कौर को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। प्राचार्या डॉ. सुमित्रा सांगवान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। लड़कियों की 100 मीटर दौड़ में लखविंदर कौर प्रथम, अमनदीप कौर द्वितीय, जीवनजोत कौर तृतीय रही। 200 मीटर दौड़ अमनदीप कौर, लखविंदर कौर तथा जसप्रीत कौर, लंबी कूद में लखविंदर कौर, पिंकी और प्रवीन कौर, डिस्कस थ्रो में प्रियंका, प्रवीन कौर और अमनदीप कौर ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान पाया। लड़कों की 200 मीटर दौड़ में दीपक, मनदीप सिंह तथा गुरप्रीत सिंह तथा लंबी कूद में सचिन, यादविंद्र सिंह और मनदीप सिंह प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन प्रो. पूनम सोनी ने बहुत ही शानदार तरीके से किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर फूंके पुतले, जताया विरोध

धान की एमएसपी खरीद व डीएपी किल्लत पर भड़के किसान संगठन

धान एमएसपी 2461 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय 2000 से 2200 रुपये में बिक रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। भाजपा जिला कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर सीएम व कृषि मंत्री के फोटो फूंकते किसान। *फोटो : हरिभूमि*

धान की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सुचारू खरीद न होने, मंडियों में किसानों की जारी कथित लूट, बाहरी राज्यों से आ रहे धान और फसलों के लिए डीएपी खाद की भारी किल्लत के विरोध में किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा के बैनर तले शुक्रवार को किसानों ने भूना रोड स्थित भाजपा के जिला कार्यालय के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान किसानों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के पुतले दहन किए। यह विरोध प्रदर्शन किसान नेता लवी बाठ की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए संगठन के जिला प्रधान ओमप्रकाश हसंगा ने सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, सरकार का यह दावा कि हरियाणा में 24 फसलें एमएसपी रेट पर खरीदी जा रही हैं, सरासर झूठ का पुलिंदा है। जमीनी हकीकत यह है कि किसान की मुख्य फसल धान ही मंडियों में एमएसपी 2461 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय 2000 से 2200 रुपये के कौड़ियों के भाव बिक रही है। बीच का मोटा मुनाफा राइस मिल मालिक और बिचैलिए डकार रहे हैं, जो सीधे तौर पर किसानों का शोषण है। बाहर से धान मंगवाकर जमकर धांधली की जा रही है। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति ने मांग की कि प्रदेश की सभी अनाज मंडियों में धान खरीद की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और किसानों की प्रत्येक फसल को घोषित एमएसपी दर पर खरीदने की ठोस व्यवस्था अमल में लाई जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने मंडियों में जारी इस लूट, बाहरी जिलों व राज्यों से आ रहे धान की अवैध आवक और डीएपी खाद की किल्लत को तुरंत दूर नहीं किया, तो किसान बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार की होगी।

> **संघर्ष समिति बोली, प्रदेश की सभी अनाज मंडियों में धान खरीद की निष्पक्ष जांच व हर फसल को घोषित एमएसपी दर में खरीदने की ठोस व्यवस्था अमल में लाई जाए।**

ये रहे उपस्थित

इस विरोध प्रदर्शन में संगठन के जिला प्रधान ओम प्रकाश हसंगा, लवी बाठ के अलावा रवींद्र सिंह हिजरावा खुर्द, महेंद्र सिंह मोचीवाली, सुरेश गढ़वाल, छबील दास ढाणी छतरिया, अमन बाठ, धनपत सरपंच, प्रेम खोखर, गग्गी चहल, नाहर सिंह, सुखचैन सरपंच तथा मनफूल ढाका सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे।



सिरसा। मेधावी विद्यार्थियों को अभय चौटाला सम्मानित करते हुए।

छात्रवृत्ति समारोह में 154 मेधावी छात्रों को अभय चौटाला ने किया सम्मानित

सिरसा। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने शनिवार को स्थानीय जाट धर्मशाला में जाट धर्मशाला सभा के तत्वावधान में आयोजित छात्रवृत्ति सम्मान समारोह में जाट समुदाय के उन 154 बच्चों को सम्मानित किया जिन्होंने 10वीं तथा दस जमा दो कक्षा में 90 फीसदी से अधिक अंक अर्जित किए। जाट धर्मशाला सभा के प्रधान मोहनलाल झोरड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि अभय सिंह चौटाला ने कहा कि उन्हें इन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने में अपार हर्ष हो रहा है। इस मौके पर जाट धर्मशाला सभा की ओर से सभी 154 विद्यार्थियों के सम्मान में 2100 रुपए की राशि दी गई थी, इसी दौरान इनेलो नेता अभय चौटाला ने अपने निजी कोष से भी सभी विद्यार्थियों के लिए 3 हजार रुपए की घोषणा कर उनकी प्रोत्साहन राशि 5100 रुपए की जिसे उपस्थितजनों ने सराहा। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि बेटियां न केवल खेल मैदान से मेडल ला रही हैं बल्कि शिक्षा क्षेत्र में भी उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

भाजपा समाज सेवा के संकल्प को लेकर कार्य करने वाला संगठन : प्रवीन जोड़ा

- भाजपा जिला कार्यालय में हुई संगठनात्मक बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। संगठनात्मक बैठक में मौजूद भाजपा नेता व कार्यकर्ता।

भूना रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा ने विशेष रूप से जुड़कर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तथा संगठनात्मक मार्गदर्शन दिया। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने तथा जनसेवा के कार्यों को गति देने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित एवं निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत, अनुशासन और सेवा भावना के बल पर ही संगठन निरंतर मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और समाज सेवा के संकल्प को लेकर कार्य करने वाला संगठन है।

बीएड कॉलेज में 'एलुमनाई मीट, पुराने दोस्तों के साथ छात्रों ने यादों को सहेजा

- पूर्व छात्र शैक्षनिक संस्थान की धरोहर : डॉ. जनक रानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद



फतेहाबाद। 'एलुम्नाई मीट' में पूर्व विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

एमएम कालेज ऑफ एजुकेशन, फतेहाबाद में शनिवार को 'एलुम्नाई मीट-2026' का आयोजन अत्यंत उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक पूर्व विद्यार्थी एक बार फिर अपने पुराने परिसर में एकत्रित हुए। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्रों ने अपने गुरुजनों एवं सहपाठियों से मुलाकात कर कालेज जीवन के सुनहरे पलों को फिर से जीवंत किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूर्व विद्यार्थियों और महाविद्यालय के बीच आत्मीय संबंधों को और अधिक मजबूत बनाना तथा उनके अनुभवों का लाभ संस्थान को दिलाना रहा। कार्यक्रम की सफलता में एलुम्नाई एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार, उपाध्यक्ष अनिल इन्दल तथा सचिव मनीषा की अहम एवं सक्रिय भूमिका रही। समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. जनक रानी ने कहा, पूर्व विद्यार्थी किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सबसे अमूल्य धरोहर और पहचान होते हैं।

सीएमके कॉलेज में हुई स्वरचित कविता प्रतियोगिता, खुशबू ने पाया प्रथम स्थान

सिरसा। सी.एम.के. नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी एवं पंजाबी विभागों द्वारा स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी मौलिक कविताओं के माध्यम से विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए अपनी साहित्यिक प्रतिभा एवं सृजनात्मक क्षमता का परिचय दिया। महाविद्यालय की प्राचार्या अंशु उप्पल ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई कला समाहित होती है। आवश्यकता केवल उस कला को सही दिशा देने और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निखारने की है। प्रतियोगिता में एम.ए. हिंदी अंतिम वर्ष के सगनदीप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एम.ए. अंतिम वर्ष की मनीषा ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष की खुशबू और एम.ए. पंजाबी अंतिम वर्ष के हरमन सिंह ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।



सिरसा। प्रतियोगिता के विजेता। *फोटो : हरिभूमि*

चारा डालने के लिए टीएमआर व गोबर उठाने के लिए स्क्रेपर का कर रहे उपयोग

सोनू कंबोज ने स्थापित की हाईटेक डेयरी, 1000 लीटर पहुंचा दूध उत्पादन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा



सिरसा। सोनू द्वारा स्थापित की गई पशुओं की डेयरी। *फोटो : हरिभूमि*

गांव कोटली निवासी 35 वर्षीय सोनू कंबोज ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की हाईटेक/मिनी डेयरी यूनिट स्थापना योजना का लाभ उठाकर पशुपालन के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। बीकॉम तक शिक्षित सोनू को बचपन से ही पशुपालन का शौक था। पहले उनके पास एक-दो पशु थे, लेकिन वर्ष 2024 में सरकारी योजना के तहत बैंक ऋण और अपनी मार्जिन राशि के सहयोग से उन्होंने 50 दुधारू पशुओं की यूनिट स्थापित की। वर्तमान में उनकी डेयरी में 60 पशु हैं और प्रतिदिन करीब 1000 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। दूध की बिक्री से यूनिट की मासिक आय करीबन एक से डेढ लाख रूपये की बीच पहुंच रही है। सोनू कंबोज ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग की योजना के तहत 37 लाख 50 हजार रुपये का ऋण लिया, जबकि 12 लाख 50 हजार रुपये की मार्जिन राशि लगाई। इससे डेयरी संचालन में आर्थिक सहायता मिलती है और पशुपालक को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है।

आधुनिक तकनीक का लिया सहारा

सोनू की डेयरी पूरी तरह आधुनिक तकनीक पर आधारित है। यहां गोबर उठाने से लेकर पशुओं को चारा डालने और दूध निकालने तक के अधिकांश कार्य मशीनों से किए जाते हैं। चारा डालने के लिए टीएमआर (टोटल मिक्स्ड राशन) प्रणाली तथा गोबर उठाने के लिए स्क्रेपर मशीन का उपयोग किया जाता है। मशीनों की सहायता से डेयरी के दैनिक कार्य व्यवस्थित ढंग से होते हैं और श्रम पर निर्भरता कम होती है। आधुनिक व्यवस्था के कारण बड़ी संख्या में पशुओं की देखभाल और प्रबंधन करना भी आसान हुआ है। पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और दूध की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उनके आहार पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सौर ऊर्जा संयंत्र भी स्थापित किया

डेयरी को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सोनू ने पशुशाला के शेड पर 20 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र भी स्थापित किया है। इससे डेयरी की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, पशुओं से प्राप्त गोबर को वे खेतों में जैविक खाद के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उनके पास स्वयं की 15 एकड़ कृषि भूमि है, जहां गोबर की खाद का उपयोग करने से रासायनिक खादों की आवश्यकता कम रखने में मदद मिलती है। इस प्रकार पशुपालन से प्राप्त अपशिष्ट का उपयोग खेती में भी किया जा रहा है।

सरकारी ऋण से मिली मदद

सोनू कंबोज का कहना है कि बचपन से ही उनकी इच्छा पशुपालन के क्षेत्र में आगे बढने की थी। पहले सीमित संसाधनों के कारण वे एक-दो पशुओं का ही पालन करते थे, लेकिन सरकारी योजना के माध्यम से बैंक ऋण मिलने पर उन्होंने आधुनिक डेयरी स्थापित करने का निर्णय लिया। अब वे धीरे-धीरे अपने व्यवसाय का विस्तार कर रहे हैं। उनके अनुसार, पहले समाज में पशुपालन को पारंपरिक व्यवसाय के रूप में देखा जाता था, लेकिन आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के सहारे इसे एक व्यवस्थित व्यवसाय बनाया जा सकता है।आधुनिक मशीनों के उपयोग, पशुओं के उचित आहार, के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है।

न्यूज डायरी



राजकीय विद्यालय जोधपुरिया में गूंजी युवा संसद

रानियां। जोधपुरिया के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता डिंग डाइट के तत्वावधान में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं कक्षा के लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मार्शल, गृहमंत्री, रक्षामंत्री, महासचिव, प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता सहित सांसद बनकर एक घंटे तक अभिनय करके संसद की कार्यप्रणाली को चलाया। युवा संसद के आयोजन पर देश की मुख्य समस्याओं के मुद्दे रखे गए व उन पर तीखी बहस व कानून बनाने की प्रक्रिया सहित अनेक प्रस्तावों पर विचार विमर्श करके संसद में पारित किए गए।



संजू महंत ने किया नशे रूपी रावण के वध का आह्वान

सिरसा। मोहल्ला गौशाला में चाचाणों वाली धर्मशाला के पीछे स्थित रामलीला मैदान में आयोजित श्री लक्ष्मण कला केंद्र की रामलीला के सातवें दिन भगवान श्रीराम द्वारा माता शबरी के बेर खाने तथा सीता हरण के प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। श्री लक्ष्मण कला केंद्र में मंच संचालन कर रहे रविंद्र सैनी ने बताया कि रामलीला के सातवें दिन संजू महंत, हरियाणा प्रदेश गद्दीनशीन, आशुजी, महक महंत व अन्य श्रद्धालु रामलीला स्थल पर पहुंचे। संजू महंत ने मंच से उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। संजू महंत ने नशे को समाज के लिए गंभीर अभिशाप बताते हुए नशे रूपी रावण के वध का आह्वान किया।



योग शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक : रामफल

फतेहाबाद। क्रेसंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन फतेहाबाद में सेवा मेरा योगदान के तहत के विद्यार्थियों ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन फिजिकल एजुकेशन के अध्यापक रामफल द्वारा किया गया। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न योगासनों प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास करवाया गया। श्री रामफल ने विद्यार्थियों को योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभों से अवगत करवाते हुए नियमित रूप से योग एवं ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को योग का महत्व बताते हुए रामफल ने कहा कि उन्होंने बताया कि योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ.साथ मन को शांत एकाग्र एवं सकारात्मक बनाने में भी सहायक है।



इंटीग्रेशन कैंप में प्रदेश के छह जिलों से पहुंचे युवा

भट्टूकलां। उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा के सौजन्य तथा जिला एनएसएस फतेहाबाद के तत्वावधान में मदर टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल, भट्टू मंडी में सात दिवसीय एनएसएस नेशनल इंटीग्रेशन कैंप का शुभारंभ हुआ। यह राष्ट्रीय स्तर का शिविर 22 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद फतेहाबाद की चेयरपर्सन एडवोकेट सुमन खिचड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता की अनूठी छटा देखने को मिली, जहां महाराष्ट्र से आए एनएसएस वॉलिंटियर्स ने पारंपरिक तरीके से मुख्य अतिथि को पगड़ी पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस राष्ट्रीय शिविर में देश के 9 विभिन्न राज्यों तथा हरियाणा प्रदेश के 6 जिलों से लगभग 200 से अधिक एनएसएस छात्र-छात्राएं और उनके प्रभारी भाग ले रहे हैं। शिविर में डॉ. दीप्ति महाराष्ट्र, गायत्री शुक्ला मध्य प्रदेश, सुमन बाला दिल्ली, सुरिन्द्र कौर पंजाब आदि रहे।



राजीव बने चंडीगढ़ कांग्रेस में जिला उपाध्यक्ष

फतेहाबाद। फतेहाबाद की पृष्ठभूमि से जुड़े राजीव कटारिया को चंडीगढ़ कांग्रेस संगठन में जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कटारिया का परिवार फतेहाबाद के पुराने और प्रतिष्ठित परिवारों में गिना जाता है। इलाके में उनका परिवार 'मल' नाम से पहचाना जाता है। परिवार को 'मल' उपाधि प्राप्त है और क्षेत्र में उसकी पहचान बड़े जमींदार एवं संपन्न परिवार के रूप में रही है। अब राजीव कटारिया को चंडीगढ़ कांग्रेस में संगठनात्मक जिम्मेदारी मिलने से उनकी राजनीतिक गतिविधियों को नया विस्तार मिला है। कटारिया की नियुक्ति सेक्टर-35 स्थित कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई। चंडीगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष एचएस लक्की की मौजूदगी में उन्हें जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।